## संपादकीय

### बाहरी कब्जे से बचाव

सरकार ने समझदारी भरा कदम उठाते हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के नियमों में थोड़ी फेरबदल की है, ताकि संकट की इस घड़ी का फायदा कोई विदेशी कंपनी रणनीतिक महत्व की भारतीय कंपनियों पर कब्जा करने में न उठा ले। इस समय चीन दुनिया भर में ऐसी ही कोशिशों में लगा हुआ है। वह कोरोना संकट से तबाह विभिन्न देशों की अर्थव्यवस्थाओं में घुसपैठ कर रहा है, जहां-तहां शेयर बाजार के जरिये या प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का रास्ता अपनाकर वह विभिन्न देशों की कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। कहा तो यहां तक जा रहा था कि उसने अमेरिका में भी बड़े पैमाने पर संपत्तियों का अधिग्रहण करना शुरू कर दिया है।

हाल में चीन के केंद्रीय बैंक पीपल्स बैंक ऑफ चाइना ने भारत की सबसे बड़ी हाउसिंग फाइनेंस कंपनी हाउसिंग डिवेलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचडीएफसी) में 1.01 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी। यह सिलसिला और न बढ़े, इसके लिए सरकार ने शनिवार को एफडीआई नियमों में कुछ अहम बदलाव किए। इसके तहत भारत के साथ सीमा साझा करने वाले किसी भी पड़ोसी देश से भारत में होने वाले निवेश के लिए सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य बना दिया गया है।

नया नियम प्रत्यक्ष और परोक्ष, दोनों तरह के निवेश पर लागू होगा। पहले इस तरह की पाबंदी सिर्फ पाकिस्तान और बांग्लादेश से होने वाले निवेश पर ही लगी हुई थी। कोरोना वायरस के असर के कारण अधिकतर भारतीय कंपनियों के शेयरों में काफी गिरावट आई है। ऐसे में भारतीय कंपनियों का सस्ते में अधिग्रहण हो जाने और इनका नियंत्रण विदेशी हाथों में चले जाने का खतरा पैदा हो गया था। खासकर चीन को इस मामले में बड़े खतरे के तौर पर देखा जा रहा था जो कि सही सबित हुआ। चीन, बांग्लादेश, पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, म्यांमार और अफगानिस्तान की सीमाएं भारत की सीमा से लगती हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले सप्ताह विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय कंपनियों के सस्ते में हो रहे अधिग्रहण का मुद्दा उठाया था। उन्होंने एक ट्वीट में कहा था कि भारी आर्थिक सुस्ती के कारण देश की कई कंपनियों की हालत खराब हो गई है और वे विदेशी निवेशकों द्वारा अधिग्रहण के लिए आकर्षक हो गई हैं। संकट की इस घड़ी में सरकार को भारतीय कंपनियों का नियंत्रण विदेशी हाथों में जाने से रोकना चाहिए। यह मुद्दा सोशल मीडिया में भी छाया हुआ था। हाल में कई और देशों ने भी एफडीआई नियमों को सख्त बनाया है।

यूरोपीय संघ ने तो सुरक्षा का हवाला देते हुए पिछले साल ही एफडीआई की जांच पड़ताल किए जाने के नियम बना दिए थे। अब अमेरिका ने चीन से होने वाले निवेश की जांच सख्त कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ने भी रणनीतिक संपत्तियों के सस्ते भाव बिक जाने के खतरे को देखते हुए विदेशी निवेशकों द्वारा किए जाने वाले अधिग्रहण के नियमों को मार्च में सख्त कर दिया था। उम्मीद है कि अब भारतीय कंपनियां अधिग्रहण के डर से मुक्त रहेंगी, हालांकि इसके लिए उन्हें पर्याप्त संरक्षण की जरूरत पड़ेगी।

# भारतीय खेलों के लिए बेहतर हो सकती है कोविड-19 के बाद की स्थितिः बिंद्रा

**नई दिल्ली ।** ओलिंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा का मानना है कि कोविड-19 के बाद की दुनिया भारतीय खेलों के लिए फायदेमंद हो सकती है क्योंकि विदेश दौरों की संभावित गैरमौजूदगी में स्थानीय बुनियादी ढांचे और कोच तथा सहयोगी स्टाफ जैसे मानव संसाधन पर निवेश का मौका होगा।

दिग्गज निशानेबाज बिंद्रा विशेष आनलाइन सत्र के दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के नवनियुक्त सहायक निदेशकों और अन्य सीनियर अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। महामारी का प्रकोप कम होने की स्थिति में वह भारतीय खेलों को कैसे देखते हैं इस बारे में पूछे जाने पर बिंद्रा ने कहा, 'कोविड-19 के बाद की स्थिति भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है। शायद काफी विदेशी टूर्नामेंट और शिविर नहीं होंगे और ऐसे में भारत को उपयुक्त खेल बुनियादी ढांचा तैयार करने का मौका मिल सकता है।'

उन्होंने कहा, 'हमें अपने स्वयं के कोच और सहयोगी स्टाफ तैयार करने की जरूरत है।' बिंद्रा ने कहा कि खेल प्रशासकों को वैकल्पिक कौशल विकास कार्यक्रम तैयार करने की दिशा में काम करने की जरूरत है जिससे कि दीर्घकाल में खिलाड़ियों की बेहतर स्थिति सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा, 'हमें खिलाड़ियों की देखभाल करने की जरूरत है क्योंकि खेल की प्रकृति है कि सफल से अधिक खिलाड़ी विफल होंगे। यह महत्वपूर्ण है कि खेल करियर नहीं बन पाने की स्थिति में खिलाड़ियों के पास वैकल्पिक योजना हो।' बिंद्रा ने खिलाड़ी के रूप में अपने अनुभव पर भी विस्तार से बात की।

उन्होंने कहा, 'खेल में एक प्रतिशत खिलाड़ी सारा अंतर पैदा करते हैं और हमारे लिए इन सभी एक प्रतिशत खिलाड़ियों पर ध्यान देना शुरू करने की जरूरत है।' मजबूत प्रतिभा पहचान और विकास कार्यक्रम तैयार करने की जरूरत पर जोर देते हुए बिंद्रा ने कहा, 'सही आधार तैयार करना महत्वपूर्ण है।

## जन धन खातों में जमा राशि अप्रैल के पहले सप्ताह में बढ़ी

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** जन धन बैंक खातों की जमा राशि में अप्रैल के पहले सप्ताह में वृद्धि देखने को मिली। इसका कारण मुख्यतः लाभार्थियों के खातों में पैसे हस्तांतरित किया जाना है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत खोले गये बैंक खातों की जमा राशि आठ अप्रैल 2020 को समाप्त हुए सप्ताह में 1.28 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। यह राशि एक अप्रैल 2020 को 1.20 लाख करोड़ रुपये थी। यह हाल फिलहाल में जन धन खातों की जमा राशि में किसी एक सप्ताह में हुई सर्वाधिक वृद्धि है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, आठ अप्रैल को करीब 38.12 जन धन बैंक खातों में 1,27,748.43 करोड़ रुपये जमा थे, जो सप्ताह भर पहले यानी एक अप्रैल को 1,19,680.86 करोड़ रुपये थे। इससे पहले जन धन बैंक खातों में कुल जमा राशि 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में करीब 1.18 लाख करोड़ रुपये और चार मार्च को 1.17 लाख करोड़ रुपये थी। केंद्र सरकार द्वारा पिछले महीने घोषित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 13 अप्रैल 2020 तक 19.86 करोड़ महिला जन धन खाताधारकों को 9,930 करोड़ रुपये से अधिक राशि दी गयी है।

## ऑनलाइन नेशन्स कप में भारत की अगुआई करेंगे आनंद, 10 मई को होगा फाइनल

**चेन्नई ।** दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और पूर्व वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद पांच से दस मई के बीच होने वाली टीम प्रतियोगिता ऑनलाइन नेशन्स कप में भारत की अगुआई करेंगे। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) और चेस.कॉम ने घोषणा की कि ऑनलाइन नेशन्स कप में छह टीमें भाग लेंगी। फिडे ने अपनी वेबसाइट से कहा कि इस टूर्नामेंट में रूस, अमेरिका, यूरोप, चीन और भारत के अलावा शेष विश्व की टीम भी भाग लेंगी।

इसकी इनामी राशि 180,000 डॉलर है। संन्यास ले चुके दिग्गज गैरी कास्पारोव और व्लादिमीर क्रैमनिक क्रमशः यूरोप और भारतीय टीमों के कप्तान होंगे। कभी इन दोनों के प्रतिद्वंद्वी रहे आनंद भारत की तरफ से पहले बोर्ड पर खेलेंगे।

इसमें दुनिया के सभी शीर्ष खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है। पहले चरण में छह टीमें डबल राउंड रोबिन में एक दूसरे से भिड़ेंगी। शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें दस मई को सुपर फाइनल में खेलेंगीं।

### अमेरिकी सीनेट ने 480 अबर डॉलर के महामारी राहत पैकेज को मंजूरी दी

**वाशिंगटन ।** अमेरिकी सीनेट ने बर्बाद हो चुके छोटे उद्योगों की मदद करने, अस्पतालों को निधि देने और देशभर में कोरोना वायरस संकट के दौरान जांच बढ़ाने के लिए 480 अरब डॉलर के द्विदलीय आपात पैकेज हो मंजूरी दी है। डेमोक्रेट्स, रिपब्लिकंस और व्हाइट हाउस के बीच एक हफ्ते से अधिक समय तक चली बातचीत के बाद सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। अब यह प्रस्ताव प्रतिनिधि सभा के पास जाएगा जहां बृहस्पतिवार तक इस पर मतदान की संभावना है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से जूझ रही अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने के लिए यह कदम उठाया गया है।

## रिलायंस जियो की 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी फेसबुक

**नईदिल्ली ।** सोशल मीडिया क्षेत्र की दिग्गज अमेरिकी कंपनी फेसबुक ने मुकेश अंबानी के नेतृव वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज समूह की कंपनी जियो प्लेटफार्म्स लिमिटेड की 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का करार किया है। कंपनियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बयान के मुताबिक यह सौदा 43,574 करोड़ रुपये (5.7 अरब डालर) का है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के दूरसंचार नेटवर्क जियो की शत प्रतिशत हिस्सेदारी जियो प्लेटफार्म्स लिमिटेड के पास है। इस बड़ी डील के बाद फेसबुक अब जियो की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर बन गई है।

फेसबुक के साथ साझेदारी पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा कि जब रिलायंस ने 2016 में जियो को लॉन्च किया था तब हम हर भारतीय के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने और भारत को दुनिया की अग्रणी डिजिटल सोसाइटी के रूप में प्रचारित करने के सपने से प्रेरित थे। इसलिए रिलायंस के हम सभी लोग भारत के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने और बदलाव लाने के लिए हमारे साझेदार के रूप में फेसबुक का स्वागत करते हैं।

उन्होंने कहा कि जियो और फेसबुक के बीच तालमेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन और उसके ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ डूयूंग बिजनेस के लक्ष्य को पूरा करेगा। वहीं, उन्होंने विश्वास जताया कि कोरोना वायरस के खत्म होने के बाद भारत की इकॉनमी सबसे कम समय में बेहतर होगी। इस डील के बाद जुकरबर्ग ने कहा, मैं मुकेश अंबानी और पूरी जियो टीम को उनकी साझेदारी के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं नई डील को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

## फिर बढ़ सकती है एक्साइज ड्यूटी, महंगा होगा पेट्रोल?

**नई दिल्ली ।** इंटरनैशनल मार्केट में अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड के दाम में रेकॉर्ड गिरावट के बाद अब ब्रेंट क्रूड के दाम में भी तेज गिरावट का दौर शुरू हो गया है। मंगलवार को कारोबार के दौरान ब्रेंट क्रूड का दाम 11.61 पर्सेंट घटकर 22.55 डॉलर प्रति बैरल तक नीचे आ गया था। क्रूड के दाम में भारी गिरावट को देखते हुए भारत सरकार ने ऑइल रणनीति पर आगे बढ़ना शुरू दिया।

सूत्रों के अनुसार, एक तरफ जहां भारत क्रूड का रिजर्व बढ़ाएगा वहीं पेट्रोल और डीजल पर एक बार फिर एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी की जा सकती है। यह बढ़ोतरी 2 रुपये प्रति लीटर की हो सकती है। सरकार ने 14 मार्च को पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 3 रुपये की प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इससे सरकारी खजाने में करीब 39,000 करोड़ रुपये का इजाफा होने का अनुमान लगाया गया था। एक सरकारी अधिकारी के अनुसार, इस बारे में बैठकों का दौर शुरू हो गया है। इस

वक्त सरकार को पैसे की जरूरत है। ऐसे में इसकी जल्द ही घोषणा की जाएगी।

सरकारी अधिकारी के अनुसार, भारत ब्रेंट क्रूड का आयात करता है। इसके दाम में लगातार गिरावट का दौर जारी है, मगर इसके बावजूद ऑयल कंपनियों ने पिछले एक पखवाड़े में पेट्रोल और डीजल के खुदरा दामों में कटौती नहीं की।

## लड़कों के पतले होने में क्या बुराई हैः दृष्टि धामी

टीवी की मधुबाला दृष्टि धामी ने बॉडी शेमिंग करने वालों को आड़े हाथों लिया है। दृष्टि ने कहा कि उन्हें बॉडी शेमिंग करने की बात समझ नहीं आती। ऐसा करने के पीछे क्या कॉन्सेप्ट है, यह समझ से परे है। दृष्टि ने कहा कि लोग और समाज पतले लोगों का मजाक क्यों बनाते हैं। आखिर पतले होने में क्या हर्ज है। दृष्टि की दोस्त सनाया ईरानी को हाल ही बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा था। वह कहती हैं, मुझे समाज के इस रवैये से नफरत है। जब आप किसी लड़की को देखते हैं, जो पतली है तो आप कुछ नहीं कहते। लेकिन जब कोई लड़का पतला होता है तो लोग फौरन कह देते हैं- इतना पतला हो गया? दृष्टि कहती हैं कि अक्सर बॉडी शेमिंग करने वाले लोग वो होते हैं, जो खुद अस्वस्थ होते हैं। वह बताती हैं, ऐसे में जब कोई बॉडी शेमिंग करने की कोशिश करे तो पहले से उसका जवाब सोचकर रखिए। ताकि अगला चाहकर भी कुछ नहीं कह सके। दृष्टि ने आगे बताया, मेरे बहुत से दोस्त पहले नीरज को बताते थे कि वो पतले हो गए हैं, लेकिन मैं बातचीत में यह कहते हुए बाजी मार लेती थी कि ये एक हेल्दी वेट लॉस है। डायटिंग को लेकर भी दृष्टि धामी की अपनी अलग राय है। वह कहती हैं, मैं कोई डायट फॉलो नहीं करती हूं। मैं जानती हूं कि मैं कोशिश करूंगी तो भी ये सिर्फ दो दिन ही चलेगा। मैं घर का खाना खाती हूं और मुझे लगता है यह काफी है। दृष्टि अपनी फिटनेस को लेकर बहुत सक्रिय रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर अपने वर्कआउट वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं। दृष्टि धामी को मधुबाला और गीत जैसे सीरियल्स से पहचान मिली। साल 2013 में उन्होंने रियलिटी शो झलक दिखला जा में भी हिस्सा लिया था। टीवी की दुनिया में दृष्टि की टॉप की ऐक्ट्रेसेस में शुमार है। मुंबई के एक गुजराती परिवार में 10 जनवरी 1985 को पैदा हुई दृष्टि ने मीठीबाई कॉलेज से पढ़ाई की है। कॉलेज से डिग्री लेने के बाद दृष्टि ने एक डांस इंस्ट्रक्टर के तौर पर करियर शुरू किया।

## दीपिका पादुकोण से खतरा महसूस करने लगी थीं ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय बच्चन और दीपिका पादुकोण बॉलिवुड की टॉप ऐक्ट्रेस में से एक हैं। दोनों ने एंटरटेन इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली ने दीपिका पादुकोण की इंडस्ट्री में एंट्री से पहले ऐश्वर्या राय बच्चन को अपनी कई फिल्मों लीड लेडी बनाया। एक समय ऐसी चर्चा हुई ऐश्वर्या को दीपिका से खतरा महसूस होने लगा था।

रिपोर्ट के अनुसार, ऐश्वर्या राय बच्चन को तब खतरा महसूस हुआ जब संजय लीला भंसाली ने दीपिका पादुकोण को अपनी आगे की फिल्मों में लेना कास्ट किया

और उनकी फिल्मों की लीडिंग लेडी बन गई। हालांकि ऐश्वर्या और दीपिका का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया था, जिसमें दोनों एक साथ डांस कर रहे थे। कहा जा रहा था कि यह वीडियो दोनों ईशा अंबानी और आनंद पीरामल के वेडिंग फंक्शन का है। वीडिय में आप दोनों ऐक्ट्रेसेज को मस्ती के साथ डांस करते हुए देख सकते हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन ने संजय लीला भंसाली के साथ हम दिल दे चुके सनम देवदास, और गुजारिश जैसी फिल्मों में काम किया है। जबकि दीपिका पादुकोण ने संजय लीला भंसाली के साथ गोलियों की रासलीला रामलीला, पद्मावत और बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्मों में काम किया है। ऐसी भी चर्चा थी कि ऐश्वर्या राय बच्चन को बाजीराव मस्तानी में लिया जाएगा लेकिन आखिर में फिल्म में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह को कास्ट किया गया।

## काजोल को इन दिनों आई पेरिस की याद

देश को खतरनाक कोरोनावायरस महामारी से बचाने के लिए राष्ट्रव्यापी तालाबंदी को 3 मई तक बढ़ा दिया गया है और इस वक्त लोगों को घर में रहने की सलाह दी गई है। घरों में बंद रहकर लोगों को पहले की आम जिंदगी की बहुत याद आ रही है और इसकी झलक सोशल मीडिया पर अकसर देखने को मिल जाती है, जहां लोग पुरानी तस्वीरों को साझा कर बीती बातों को याद करते रहते हैं। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज भी इससे परे नहीं हैं। उन्हें भी शूटिंग, सेट, इवेंट इत्यादि के अलावा अपने सैर करने की भी याद आ रही हैं। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं, जिन्हें घर बैठे

पेरिस की याद आ गई। दरअसल, काजोल ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर को साझा किया है, जिसमें उनके पीछे काफी दूर एफिल टावर दिखाई दे रहा है। अभिनेत्री ने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, कुछ साल पहले की पेरिस की तस्वीर..वहां की सबसे मशहूर जगह बैकग्राउंड में काफी दूर दिखाई दे रही है..आपको दिख रही है?

## सेहत के लिए नुकसानदायक भी हो सकता मीठा और रसीला संतरा

गर्मियों के मौसम में कई ऐसे रसीले फल हैं जो लोगों को खूब पसंद आते हैं. ताजा-रसीले फलों का सेवन करना हर वैसे भी हर किसी को बहुत पसंद होता है. इन्हीं फलों में से एक है संतरा. खट्टे-मीठे और रस से भरा संतरा हर किसी को बहुत पसंद आता है. संतरे में विटामिन सी प्रचूर मात्रा में पाया जाता है. इसके साथ ही विटामिन A, B, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस की पूर्ति के लिए संतरा बेस्ट माना जाता है.

हालांकि एक निश्चित मात्रा से ज्यादा संतरे का सेवन किया जाए तो ये सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है. live-science पर प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादा संतरे का सेवन करने से शरीर को कई प्रकार के नुकसान हो सकते हैं. संतरे में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को नुकसान पहुंचा सकते हैं. आइए जानते हैं संतरे से होने वाले नुकसान के बारे में...

### पेट संबंधी समस्याएं

संतरे का ज्यादा मात्रा में सेवन करने से पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. पोषण विशेषज्ञ लॉरा फ्लोर्स के अनुसार, संतरे में अधिक मात्रा में फाइबर पाया जाता है. अत्यधिक मात्रा में फाइबर का सेवन करने से पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है. लॉरा के मुताबिक, ज्यादा संतरों का सेवन करने से पेट में दर्द, दस्त, उल्टी, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

## शब्द सामर्थ्य- 100

**बाएं से दाएं**
1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

**ऊपर से नीचे**
1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

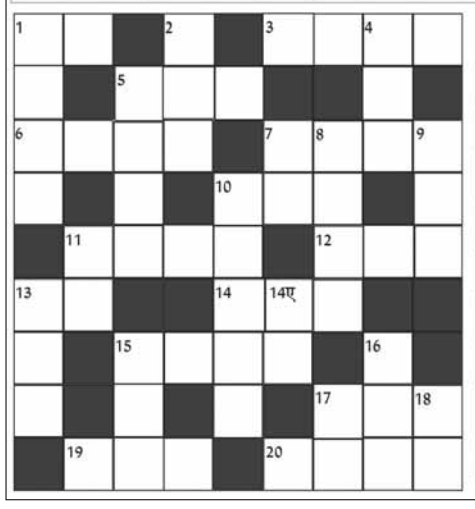

### शब्द सामर्थ्य क्रमांक 99 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | म | खां | | | इं | | | |
| स | ह | | ब | र | सा | त | | प |
| | क | हा | नी | | न | क | च | ढ़ा |
| त | | | स्ब | | | ली | | ई |
| क | या | म | त | | क | फ | न | |
| दी | | र्दा | | बा | बू | | ह | वा |
| र | ह | ना | | ल | त | खो | र | |
| | वा | | नौ | क | र | | | सा |
| भा | ई | | का | | | बा | द | ल |

## सू-दोकू- 100

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 9 | | 1 | 6 | | 2 | | 7 |
| 3 | | | | | | | | |
| | | 6 | | | | | 9 | |
| 7 | | | 5 | | 1 | | 3 | |
| | 8 | | | 9 | | 6 | | 2 |
| | | 4 | | | | | 7 | |
| | 3 | | | | 2 | 9 | | 6 |
| 6 | | 7 | 3 | | | | | 4 |
| | 4 | | | 1 | | 7 | 8 | |

**नियम**
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

**सू-दोकू क्र.99का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 6 | 3 | 9 | 8 | 7 | 1 | 5 | 4 |
| 8 | 5 | 1 | 3 | 2 | 4 | 6 | 7 | 9 |
| 9 | 4 | 7 | 1 | 5 | 6 | 8 | 2 | 3 |
| 3 | 9 | 8 | 6 | 7 | 1 | 5 | 4 | 2 |
| 6 | 1 | 2 | 5 | 4 | 3 | 9 | 8 | 7 |
| 5 | 7 | 4 | 8 | 9 | 2 | 3 | 1 | 6 |
| 1 | 2 | 6 | 7 | 3 | 5 | 4 | 9 | 8 |
| 4 | 8 | 5 | 2 | 6 | 9 | 7 | 3 | 1 |
| 7 | 3 | 9 | 4 | 1 | 8 | 2 | 6 | 5 |

## आज का राशिफल

**मेषः-** मेष राशि के जातक आज अपने कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव के बारे में सोचेंगे। परंतु यह समय इस कार्य के लिए उचित नहीं है। कमाई से अधिक खर्चे का योग बन रहा है।

**वृषभः-** वृष राशि के जातकों को आज शेयर में निवेश से फायदे के योग बने हुए हैं। किस्मत उनका पूरा साथ दे रही है। लेकिन साथ ही साथ खर्चे भी तंग कर सकते हैं।

**मिथुनः-** मिथुन राशि के जातकों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। सभी काम आसानी से समय पर पूरे हो जाएंगे। उत्तम धन प्राप्ति के योग भी हैं।

**कर्कः-** कर्क राशि के जातकों का आज आत्मविश्वास व मनोबल बहुत ऊंचा रहेगा, जिससे उन्हें कार्यक्षेत्र में सफलता आसानी से मिलेगी। धन प्राप्ति के उत्तम योग हैं।

**सिंहः-** सिंह राशि के जातकों के लिए यह समय मेहनत कर अपनी प्रतिभा को दिखाने का है। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने के योग बने हुए हैं। यह समय आत्ममंथन का भी है।

**कन्याः-** कन्या राशि के जातकों के लिए एक अच्छा दिन है। सभी काम बहुत आसानी से पूरे हो जाएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा और एक से ज्यादा धन प्राप्ति के रास्ते आपके लिए खुलने का योग बन रहा है।

**तुलाः-** तुला राशि के जातकों को आज वाद-विवाद से बचना चाहिए। आत्मविश्वास से अपने विरोधियों को परास्त करने में कामयाब रहेंगे। धन प्राप्ति के विशेष अवसर मिलेंगे।

**वृश्चिकः-** वृश्चिक राशि के जातकों को अपने विरोधियों से टकराव से बचना चाहिए। अपने काम पर फोकस करें। सफलता जरूर मिलेगी।

**धनुः-** धनु राशि के जातकों के काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। भाग्य आपके फेवर में रहेगा। धन प्राप्ति के अवसर भी मिलेंगे।

**मकरः-** मकर राशि के जातकों को कार्यक्षेत्र में आज कुछ मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास से सभी मुश्किलों से बाहर आ जाएंगे। धन प्राप्ति के लिए उत्तम समय है।

**कुंभः-** कुंभ राशि के जातक अपनी वाकपटुता से काम निकालने में कामयाब होंगे। आपके प्रयास आपको सफलता दिलाएंगे धन प्राप्ति के लिए दिन उत्तम है।

**मीनः-** स्वभाव से क्रिएटिव मीन राशि के जातकों के लिए यह एक उत्तम दिन है। उनकी कला को ना केवल दुनिया के द्वारा सराहा जाएगा।